O.P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

कक्षा दसवीं प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा [सेट 2] - 2025-26

Class X I-Pre-Board Examination [SET 2] - 2025-26

विषय- हिन्दी पाठ्यक्रम'अ' (कोड 002)]

M.M.: 80 अंक | TIME: 3 घंटे

सामान्य निर्देश / GENERAL INSTRUCTIONS:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए-

- इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खंड हैं , क, ख, ग, घ ।
- इस प्रश्न पत्र में कुल-15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रश्न-पत्र में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड – क 14

(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 7

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख-शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, यह दोनों दो अलग-अलग बातें हैं।

यह जरूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णतः संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अतः हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है। यदि आप असफलता से निराश हो चुके हैं और ऐसा सोच रहे हैं कि सब कुछ यहीं खत्म हो गया तो आपको सफल व्यक्तियों के बारे में पढ़ना चाहिए। निराश और उत्साहहीन करने वाले हर विचार हमें पीछे की ओर धकेलते हैं। निराश हो जाना अथवा हिम्मत हारकर उत्साहहीन होकर बैठ जाना स्वयं के प्रति एक अपराध है।

हमें अपने आप में स्फूर्ति तथा मन में उत्साह भरते हुए स्वयं पर विश्वास करना चाहिए। कुछ निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं, परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगे। अतः विफलताओं की चिंता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौंदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है। कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की जरूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(क) **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :** 1

कथन (A): मनुष्य मानसिक रोगों का शिकार होता जा रहा है।

कारण (R): मनुष्य अपने कार्य से असंतुष्ट रहता है।

विकल्प-

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है, किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) गद्यांश के अनुसार **'सच्ची सफलता पाने के'** विषय में असत्य कथन कौन-सा है? 1

i. सच्ची सफलता की प्यास की व्याकुलता व्यक्ति को मानसिक रोगी बना देती है।

ii. नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों से ही सच्ची सफलता प्राप्त हो सकती है।

iii. इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है।

iv. सच्ची सफलता व सफल जीवन दोनों समान हैं।

(ग) **"विफलताओं की चिंता नहीं करनी चाहिए।"** 1

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

I. क्योंकि उनका लगातार चिंतन करने से सफलता कभी हासिल नहीं होगी।

II. क्योंकि विफलताएँ हमारे जीवन का सौंदर्य हैं।

III. क्योंकि विफल होना अपराध है।

IV. क्योंकि विफलताएँ पथभ्रष्ट करती हैं।

विकल्प

i. कथन I सही है।

ii. कथन I व II सही हैं।

iii. कथन II व III सही हैं।

iv. कथन III व IV सही हैं।

(घ) 'इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है।' प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ङ) निराशा की स्थिति में व्यक्ति को क्या करना चाहिए? गद्यांश के आधार पर दो सुझाव दीजिए। 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर शिवि ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्यों डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(क) **'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे'** पंक्ति का तात्पर्य है- 1

I. वास्तविक मनुष्य वही है, जो अपने लिए जीता है

II. वास्तविक मनुष्य वही है, जो दूसरों के लिए जीता है।

III. वास्तविक मनुष्य वही है, जो भौतिक वस्तुओं की चाह रखता है।

IV. वास्तविक मनुष्य वही है, जो परमार्थ की चाह रखता है।

विकल्प -

i. कथन II और IV सही हैं।

ii. कथन I, II और IV सही हैं।

iii. कथन I और IV सही है।

iv. कथन I, II और III सही हैं।

(ख) प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव यह है कि ______________________ 1

i. अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु कार्य करने चाहिए।

ii. मनुष्य को हमेशा परोपकार के कार्य करते रहना चाहिए।

iii. जरूरतमंदों के लिए सहानुभूति का भाव नहीं रखना चाहिए

iv. स्व से ऊपर कुछ होना ही नहीं चाहिए

(ग) **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :** 1

कथन (A) : परोपकारी व्यक्तियों की कथा स्वयं सरस्वती बखानती है।

कारण (R):परोपकारी व्यक्ति परोपकार करते हैं तथा समय पर दूसरों की सहायता नहीं करते हैं।

विकल्प-

i. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ii कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

iii कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

iv कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(घ) काव्यांश के आधार पर कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 2

(ङ) क्या कवि कविता से असंभव उम्मीद पाल रहा है? तर्कपूर्ण टिप्पणी कीजिए | 2

खंड - 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) 16

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए । 1x4=4

(क) हमारे पिताजी तड़के उठते और पूजा करने बैठ जाते । **(सरल वाक्य में बदलिए)** 1

(ख) "मैं बीमार हूँ, इसलिए आयोजन में नहीं जा सकता।" 1

(रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए।)

(ग) वह आदमी जो कल आया था, आज भी आया है ।" **(आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए)** 1

(घ) रसूलन और बतूलन के गाने पर अमीरुद्दीन को खुशी मिलती थी । **(मिश्र वाक्य में बदलिए)** 1

(ङ) काशी में संगीत की जो परम्परा हैं वह प्राचीन एवं अद्भुत हैं । 1

(रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए)

प्रश्न4 निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए । 1×4=4

(क) हम गा नहीं सकते। **(भाववाच्य में बदलिए)** 1

(ख) नवाब साहब द्वारा दृढ़ निश्चय कर खीरों को उठाया गया । **(कर्तृ वाच्य में बदलिए)** 1

(ग) मजदूरों ने दो वर्ष में यह पुल तैयार किया। **(कर्मवाच्य में बदलिए)** 1

(घ) माँ के द्वारा बचपन में ही घोषित किया गया था । **(वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)** 1

(ङ) कवि बादल में क्रांति का स्वर सुनता है । **(वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)** 1

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद- परिचय दीजिए - 1×4=4

(क) मैं **दसवीं** कक्षा में पढ़ता हूँ । 1

(ख) **अरे!** हमारा स्कूल मैच जीत गया? 1

(ग) बच्चे **उधर** खेल रहे हैं । 1

(घ) उनकी **अँगुलियाँ** खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं_। 1

(ङ) **रंग-बिरंगे** फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया 1

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर उत्तर दीजिए- 1×4=4

(क) बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की । 1

(ख) धनुष उठाया ज्यों ही उसने, और चढ़ाया उस पर बाण ।
धरा-सिन्धु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण। 1

(ग) तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा । बार-बार मोहि लागि बोलावा । 1

(घ) शशि मुख पर घूँघट डाले, अंचल में दीप छिपाए । 1

(ङ) मुख बाल रवि सम लाल होकर ज्वाला-सा हुआ बोधित_। 1

खंड - 'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) 30

प्रश्न 7 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए । 1×5=5

आज़ाद हिंद फौज के मुकदमे का सिलसिला था। सभी कॉलिजों, स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान था। जो जो नहीं कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा जाकर हड़ताल करवा रहा था। शाम को अजमेर का पूरा विद्यार्थी-वर्ग चौपड़ (मुख्य बाज़ार का चौराहा) पर इकट्ठा हुआ और फिर हुई भाषणबाजी। इस बीच पिताजी के एक निहायत दकियानूसी मित्र ने घर आकर अच्छी तरह पिताजी की लू उतारी, "अरे! उस मन्नू की तो मत मारी गई है पर भंडारी जी आपको क्या हुआ? ठीक है, आपने लड़कियों को आजादी दी, पर देखते आप, जाने कैसे-कैसे उल्टे-सीधे लड़कों के साथ हड़तालें करवाती, हुड़दंग मचाती फिर रही है वह। हमारे-आपके घरों की लड़कियों को शोभा देता है यह सब ? कोई मान-मर्यादा, इज्जत-आबरू का ख्याल भी रह गया है आपको या नहीं?"

(क) 'लेखिका के पिता के मित्र को लेखिका के विषय में पता चला' कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए 1

I. लेखिका अध्यापकों के साथ नारे लगाती है।
II. लेखिका लड़कों के साथ हड़तालें करवाती है।
III. लेखिका लड़कों के साथ हुड़दंग मचाती है।
IV. लेखिका भाषणबाजी से दूर रहती है।

विकल्प :

i. कथन I और III सही है
ii. कथन III सही है
iii. कथन IV सही है
iv. कथन II और III सही है

(ख) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । 1

कथन (A): आज़ाद हिंद फौज के मुकदमे का सिलसिला था।

कारण (R): अध्यापकों का बड़ा समूह हड़तालें करवा रहा था।

विकल्प :

i. कथन)A) गलत है किन्तु कारण (R सही है (

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है

iii. कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है

iv. कथन)A) और कारण (R (दोनों ही सही है

(ग) लेखिका ने पिता के मित्र को किस 'शब्द' से संबोधित किया? 1

I. आंदोलनकारी विचारधारा वाले व्यक्ति

II. निहायत संग्रामी विचारधारा वाले व्यक्ति

III. भाषण देने वाले व्यक्ति

IV. निहायत दकियानूसी स्वभाव के व्यक्ति

विकल्प

i. कथन I और III सही है

ii. कथन IV सही है

iii. कथन III सही है

iv. कथन II और III सही है

(घ) लेखिका के पिता के मित्र द्वारा लेखिका की जो छवि उसके पिता के सामने प्रस्तुत की गई, वह मुख्यतः किस सामाजिक पूर्वाग्रह को उजागर करती है? 1

i. स्त्री स्वतंत्रता के प्रति असहिष्णुता

ii. लेखिका की राजनीतिक सक्रियता

iii. पारंपरिक स्त्री भूमिकाओं की स्वीकृति

iv. स्त्री-पुरुष की समानता

(ङ) "मन्नू की तो मत मारी गई है।" प्रस्तुत कथन में वक्ता और श्रोता क्रमशः हैं? 1

i पिताजी-पिताजी के मित्र

ii पिताजी के मित्र-पिताजी

iii अध्यापक-पिताजी

iv प्रिंसिपल-पिताजी

प्रश्न 8 **निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए ।** 3×2=6

(क) सच्चे अर्थों में '**संस्कृत व्यक्ति**' किसे कहा जा सकता हैं ? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) बालगोबिन भगत' पाठ में लेखक ने समाज की किस समस्या की ओर ध्यान दिलाया है और उसका हल किस रूप में बताया है? स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) "मेरे मालिक सुर बख्श दे सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।" 2

'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि नवाब साहब का व्यवहार किस वर्ग पर व्यंग्य करता है? 2

प्रश्न-9 निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए । 1×5=5

तारसप्तक में जब बैठने लगता हैं उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बंधाता कहीं से चला आता है
संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश है,
उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

(क) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । 1

कथन (A) : कुछ लोग नींव की ईंट के समान होते हैं, और दूसरे की सफलता के लिए अपनी परवाह नहीं करते हैं।

कारण (R) संगतकार की आवाज़ में हिचक का होना उसकी विफलता नहीं कही जा सकती।

I. कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है ।

II. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

III. कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है ।

IV. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।

(ख) 'कभी-कभी संगतकार गायक का यूँ ही साथ क्यों देता है ? कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए- 1

I. अपनी प्रतिभा बताने के लिए

II. अपनी आवाज़ प्रभावी बनाने के लिए

III. मुख्य गायक स्वयं को अकेला न समझे

IV. मुख्य गायक की कमजोरियाँ बताने के लिए

विकल्प :

i. कथन 1 व 4 सही है

ii. कथन 2 व 3 सही है

iii. कथन 1 सही है

iv. कथन 3 सही है

(ग) 'तारसप्तक में जब बैठने लगता है, उसका गला' इस पंक्ति में 'उसका' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है? 1

i. संगतकार के लिए

ii. प्रधान गायक के लिए

iii. गाने के इच्छुक संगीत प्रेमियों के लिए

iv. वाद्ययंत्र बजाने वाले कलाकारों के लिए

(घ) संगतकार की 'मनुष्यता' को प्रकट करने वाले कारण कौनसा/कौनसे है/हैं ? कथन के लिए उचित विकल्प हैं- 1

I. स्वयं को विशिष्ट न बनाकर प्रधान गायक की विशिष्टता बढ़ाना

II. गाने से पहले प्रत्येक कार्य की योजना बनाना

III. कार्यक्रम के उपरांत प्रधान गायक के चरण स्पर्श करना

IV. प्रधान गायक की आवाज में अपनी आवाज मिलाकर उसे बल प्रदान करना

विकल्प :

i. कथन I सही है

ii. कथन I व III सही हैं

iii. कथन III व IV सही हैं

iv. कथन I व IV सही हैं

(ङ) 'संगतकार' किसका प्रतीक है ? 1

i. संगीत को पागलपन की हद तक चाहने वाली भावना का ।

ii. स्वर को साधने के लिए अनवरत की जाने वाली साधना का ।

iii. किसी की सफलता में निस्वार्थ सहयोग करने की भावना का ।

iv. कठोरता ,माधुर्य ,मनुष्यत्व, अपनत्व, स्वहित एवं प्रेरणा का ।

प्रश्न10 निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए । 3×2=6

(क) गोपियों को कृष्ण के लिए क्यों कहना पड़ा "राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए"। 'सूरदास के पद' के आधार पर उत्तर लिखिए। 2

(ख) उत्साह' कविता के माध्यम से कवि द्वारा बादलों को क्रांति के सूचक के रूप में प्रस्तुत करना उनके उत्साह, शक्ति और चेतना के प्रति दृष्टिकोण का प्रमाण है, स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि कवि ने अपने जीवन को 'खाली गगरी' क्यों कहा है? उसकी इस भावना के पीछे क्या कारण हैं? कोई दो तर्क सहित उत्तर लिखिए। 2

(घ) "फसल' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि ने फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' क्यों कहा है? इसके माध्यम से वह किन्हें विशेष महत्त्व देना चाहता है? 2

प्रश्न11 पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए । 2×4=8

(क) आधुनिक जीवन शैली और वैज्ञानिक प्रगति की अंधी दौड़ ने पर्यावरण के साथ किस प्रकार का अन्याय किया है, एक जागरूक नागरिक के रूप में हम इस संकट को दूर करने के लिए क्या कर सकते हैं? 'साना-साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 4

(ख) हिरोशिमा में विस्फोट पीड़ित लोगों को देखकर लेखक का हृदय उनकी पीड़ा से व्यथित हो गया था। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि हिरोशिमा पर लिखी कविता अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है। 4

(ग) भोलानाथ के पिता भोलानाथ को पूजा-पाठ में शामिल करते, उसे गंगा तट पर ले जाते तथा लौटते हुए पेड़ की डाल पर झुलाते। उनका ऐसा करना किन-किन मूल्यों को उभारने में सहायक है? 4

खंड - घ (रचनात्मक लेखन) 20

प्रश्न12 निम्नलिखित तीन विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए । 1×6=6

(क) मीडिया का वर्चस्व

संकेत बिंदु

- भूमिका
- मीडिया की उपयोगिता
- मीडिया के प्रशंसनीय कार्य
- रोजगार के अवसर

(ख) इंटरनेट की दुनिया

संकेत बिंदु

- भूमिका
- भारत एवं विश्व में इंटरनेट की स्थिति
- इंटरनेट के लाभ
- इंटरनेट के दुष्परिणाम

(ग) पहला सुख निरोगी काया

- अर्थ
- स्वस्थ शरीर का महत्त्व
- स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक तत्त्व
- उपसंहार

प्रश्न13 (क) आप राज/रीना हैं। चुनाव के दिनों में राजनीतिक कार्यकर्ता घरों, विद्यालयों और मार्गदर्शक चित्रों आदि पर पोस्टर लगा देते हैं। इससे लोगों को होने वाली असुविधा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में शिकायती पत्र लिखिए। 1×5=5

अथवा

(ख) आप रोशन/रोशनी हैं। आपके विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसमें आपकी भी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। अपने छोटे भाई को कार्यक्रम के प्रति अपना अनुभव बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न14 (क) आप सौरभ/सुरभि हैं। आप बी. एड कर चुके हैं। आपको माँ केसर देवी पब्लिक स्कूल अ, ब, स नगर में हिन्दी अध्यापक/अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। 1×5=5

अथवा

(ख) आप मोहित / मोहिनी है । आपके पिता के स्थानांतरण के कारण आपको अपने विद्यालय से भी स्थानांतरण प्रमाण पत्र चाहिए । इस बात का अनुरोध करते हुए अपने विद्यालय के प्राचार्य को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए ।

प्रश्न15 (क) आपके भाई ने एक कार ड्राइविंग सेंटर खोला है। वे प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय समाचार पत्र में उसका विज्ञापन देना चाहते हैं। आप उनके लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 1×4=4

अथवा

(ख) आप चपल/चपला हैं। आपकी बहन राज्य स्तर पर सम्मानित हुई है। इस अवसर पर उनके लिए लगभग शब्दों में शुभकामना एवं बधाई संदेश लिखिए। 40

****